32 PAGES ANSWER BOOK

केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठी

विषय Subject: HINDI

विषय कोड Subject Code: 051

परीक्षा की दिनांक / Date of Exam: 020323

उत्तर देने का माध्यम Medium of answering the paper: ENGLISH

प्रश्न पत्र का सेट Set of the Question paper: B

गोले भरने हेतु उदाहरण :- सही तरीका :- गलत तरीका :-

नोट :- इस शीट को भरने से पूर्व इस पृष्ठ के नीचे दिए गए उदाहरण को देखें।

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जा

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	SAMTA JAIN MKV/0512023/008

कार्यालय उपयोग के लिए

ID NO. 6481867
SUB. 051 - HINDI
Bag. 50511205
pkt. 5

प्रश्न क्र.

प्रश्न-1 निम्नलिखित — — — — — — कीजिए —

(i)
उत्तर – (अ) दत्ताजी राव के यहाँ

(ii)
उत्तर – (ब) नासिक

(iii)
उत्तर – (स) शब्दालंकार

(iv)
उत्तर – (अ) चार कालों में

(v)
उत्तर – (द) कपड़े पहनाती है

(vi)
उत्तर – (स) पैसे की

BSE

PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SEC

प्रश्न-2 रिक्त — — — — — — — कीजिए —

उत्तर प्रश्न 2 के

(i) लेखक

(ii) नौ वर्ष की उम्र

(iii) भूषण

(iv) कागज के पन्ने से

(v) बिड़ला मन्दिर

(vi) सरल वाक्य

(vii) मात्रिक

BOARD OF EDUCATION MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न-3 सही जोड़ी बनाइए

क (प्रश्न)		ख (उत्तर)
(i)	मस्ती का सन्देश	- (ब) हरिवंशराय बच्चन
(ii)	चौपाई छन्द	- (अ) 16 मात्राएँ
(iii)	चित्रकार	- (द) चितेरा
(iv)	सम्पादकीय पृष्ठ	- (स) अखबार की अपनी आवाज़
(v)	हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग	- (ई) भक्तिकाल
(i)	छायावाद के प्रवर्तक कवि	- (उ) जयशंकर प्रसाद

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न - ५ एक - - - - - - - दीजिए —

(i)
उत्तर - लुट्टन पहलवान के ढोलक की आवाज मृत गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी।

(ii)
उत्तर - चन्द्रगुप्त ~~एक~~ जयशंकर प्रसाद की नाट्य रचना है।

(iii)
उत्तर - कवि ने स्लेट पर लाल खड़िया मलने की बात कही है।

(iv)
उत्तर - सोरठा छंद मात्राओं की दृष्टि से दोहा छंद का उल्टा होता है।

(v)
उत्तर - मुहावरा ऐसा लघु वाक्यांश है ~~कि~~ जिसके प्रयोग से भाषा में सौन्दर्य उत्पन्न होता है।

(vi)
उत्तर - रेडियो नाटकों में पात्रों की पहचान ध्वनि एवं संवाद के माध्यम से होती है।

(vii)
उत्तर - सिन्धु - घाटी सभ्यता में खरबूज और अंगूर नामक फल उगाए जाते थे।

6

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 5 सत्य - - - - - - - कीजिए -

(i)
उत्तर - सत्य

(ii)
उत्तर - सत्य

(iii)
उत्तर - असत्य

(iv)
उत्तर - सत्य

(v)
उत्तर - सत्य

(vi)
उत्तर - असत्य

BSE

प्रश्न–6 कवित्त — — — — — — लिखिए —

उत्तर प्रश्न 6 का

कवित्त छंद वर्णिक छंद के अंतर्गत आता है। इसमें 31 वर्ण पाए जाते हैं, 16 एवं 15 ~~वर~~ पर यति होती है।

उदाहरण —

" प्रत्येक भाषा का रूप है हिन्दी
मॉं संस्कृत की प्यारी बेटी है हिन्दी
सरल, सहज, मनोरम है हिन्दी
सच है कि हर माथे की बिन्दी है हिन्दी।

पंत, निराला, दिनकर की पहचान है हिन्दी
सुभद्रा, महादेवी का अभिमान है हिन्दी
शोषितों की व्यथा का करुण गान है हिन्दी
भारत का राष्ट्रीय गान है हिन्दी। "

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न-7 तेक्नीकी - - - - - - - लिखिए

प्रश्न-7 राष्ट्र - - - - - - लिखिए —

उत्तर प्रश्न-7 (अथवा)

राष्ट्र भाषा की दो विशेषताएँ निम्नलिखित है —

(i) राष्ट्र भाषा बहुसंख्या लोगों की भाषा है।

(ii) राष्ट्र भाषा को संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त है।

प्र.8 निम्नलिखित - - - - - - लिखिए —

उत्तर प्र.8 का

(i) मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।

(ii) जंगल में शेर दहाड़ने लगे।

प्र.9 कवि - - - - - - - - - था ?

उत्तर प्र.9 का

कवि ने अपने खेत में शब्दों का बीज बोया है। कवि कहता है कि जिस प्रकार किसान कृषिकर्म करता है वैसे उस प्रकार मैं भी कविकर्म करता हूँ। जैसे किसान अपने खेत में खाद, बीज, जल अन्य पदार्थों को डालता है उसी प्रकार मैं भी अपने इस कागज रूपी पन्ने के खेत में विचारों के बीज शब्दों के द्वारा बोया करता हूँ जो कुछ समय बाद एक रचना का रूप ले लेती है, जैसे किसान के खेत में पौधा, फूलों, फलों, पत्तों से लद जाता है।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

क्र.

प्रश्न - 10 संसार — — — — — — — — — — है ?

उत्तर प्रश्न - 10 का

सुख - दुःख , आशा - निराशा आदि यह सब मनुष्य के जीवन का अविभाजित हिस्सा होता है । यह सब चाहे वो अमीर हो गरीब सभी को झेलने पड़ते है । जिस प्रकार रात के बाद सवेरा होता है उस प्रकार ही बिना दुःख के सुख की अनुभूति नहीं की जा सकती है । दुःख की परिस्थिति के अतयंत अत्यंत दुःखी न होना और सुख की परिस्थिति मे अधिक खुश हो न होना ही जीवन में होना चाहिए ।

इस प्रकार ही संसार में कष्टों को सहते हुए भी खुशी और मस्ती का माहौल पैदा किया जा सकता है ।

प्रश्न - 11 जेब — — — — — — — — है ?

उत्तर प्रश्न - 11 का

जेब के भरे होने और मन के खाली होने पर मन की दशा कुछ इस प्रकार होती है कि जब आदमी का जेब भरा होता है त और मन खाली तो बाजार की आकर्षक वस्तो वस्तुओं से वह आकर्षित होता है, जिससे वह अनावश्यक वस्तुओं को खरीदने लगता है वह बाजार के आकर्षण में घुम जाता है ।

जब वह होश में आता है तो तब उसे समझ में आता है कि जो वस्तुएँ उसने अपने आराम के लिए ली थी वह तो उल्टा उसके आराम में खलल डाल रही है , तो बस एक कोने की शोभा ही बढ़ाती है ।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न-12 शिरिष शिरीष — — — — — — है ?

उत्तर प्र.12 का

शिरीष का पेड़ वसंत ऋतु में खिल उठता है और शरद तक खिलखिलहकता है।
शिरीष के वृक्ष बड़े और छायादार होते हैं, ये धूप, आँधी, लू में भी खड़ा रहता है। नए फूल आने पर भी पुराने अपनी जगह नहीं छोड़ते, इसके फूलों को संस्कृत में कोमलकी संज्ञा दी गई है। ये सिर्फ भवरों के पैर का ही बोझ उठा सकते है। लेखक 'हजारी प्रसद द्विवेदी' इन वृक्षों के नीचे बैठकर रचना करते हैं।
शिरीष के फूलों की तुलना आरग्वध से नहीं की जा सकती जो सिर्फ 15 से 20 दिन के लिए खिलते हैं।

प्रश्न-13 लेखक — — — — — — — रखी ?

उत्तर प्रश्न-13 का

लेखक के पिता ने आनन्द को पाठशाला भेजते समय निम्न निम्न शर्ते रखी —

(1) पाठशाला जाने से पहले ग्यारह बजे तक खेत में काम करना होगा।

पाठशाला से आने के बाद एक छ घ० घण्टे पानी लगाना होगा।

(3) किसी दिन ज्यादा काम छ हुआ तो उस दिन पाठशाला से अवकाश लेना होगा।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL
मध्यप्रदेश

क्र.

प्रश्न –14 नए — — — — — — — — — हैं?

उत्तर प्रश्न –14 का

नए और अप्रत्यासित विषयों के लेखन से छात्रों में निम्नलिखित गुण विकसित होते हैं —

(1) छात्रों के आत्मनिर्भर होकर अभ्यास ~~करना~~ करने की शक्ति बढ़ेगी।

(2) छात्रों में सोचने की शक्ति बढ़ेगी क्योंकि वे ज्यों-का-ज्यों नहीं लिखेंगे।

(3) उनके आगे बढ़ने का विकास ~~ओ आस~~ होगा इन नए और ~~अप्रत्यासि~~ अप्रत्यासित विषयों से।

प्रश्न-15 वीर — — — — — — लिखिए।

उत्तर प्र.15 का

जब विभाव, अनुभाव एवं संचारीभावों से 'उत्साह' ~~स्थाई~~ स्थायी भाव जाग्रत हो वहाँ वीर रस कहलाता है।

उदाहरण – बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी है,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी है।

यहाँ ऊपर दिए गए उदाहरण में उत्साह स्थायी भाव उत्पन्न हुआ है इसलिए यहाँ वीर रस है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न-16 भाव विस्तार कीजिए —

'जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से महान है'

यह कथन बिल्कुल सत्य है कि जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से महान है। जन्म देने वाली माँ हमारे लिए माँ नहीं हमारी ईश्वर होती है उनके चरणों में स्वर्ग होता है किसी ने खूब कहा है कि अगर तुम्हें स्वर्ग प्राप्त करना हो तो अपनी माँ की सेवा करो सच्चे मन से उसका सम्मान करो उसके लिए सब करो जो वह चाहती है।

अच्छे कर्म करने पर मनुष्य को आने वाले जीवन में अच्छी जन्मभूमि प्राप्त होती है। हमारी जन्मभूमि भारत है जो किसी स्वर्ग से कम नहीं बल्कि स्वर्ग से महान है जहाँ हर त्योहारों, हर इंसान को समान माना जाता है। इसलिए जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से महान है।

प्रश्न-17 निम्नलिखित ——— लिखिए —

उत्तर प्रश्न 17 (अथवा)

(क) (i) इस गद्यांश का उचित शीर्षक है —
'हास्य की विशेषता'

(ख) (iii) हास्य-व्यंग्य एक ऐसा माध्यम है, जो नीरस जीवन को भी सुखद बना देता है। यह इतना प्रभावशाली होता है, कि छूत के रोग की तरह चारों ओर फैल जाता है।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

क्र.

(ग) इस गद्यांश का सार —

इस उपर्युक्त गद्यांश में कहा गया है कि ~~जीवन में~~ मनुष्य के जीवन में मुसीबते है जिसे झेलना पड़ता है, संघर्ष, तनाव, घुटन आदि है उसे उसका जीवन नीरस, दुर्भर लगने लगता है। इसलिए मनुष्य को ~~इस~~ इन सबसे हँसना सीखना होगा, ~~च~~ जिसने हँसना न सीखा, सचमुच उसने कभी जीना न सीखा इसलिए आवश्यक है जीवन में हँसना।

प्रश्न - 18 हरिवंश राय बच्चन —

उत्तर प्रश्न-18 का

(i) दो रचनाएँ — मधुशाला (1935), मधुबाला (1936) (काव्य संग्रह)

(ii) भावपक्ष - कलापक्ष — हरिवंश राय बच्चन जी ने अपनी रचनाओं में व्यक्तिगत रूप दिखाया है। उनकी रचनाओं में प्रेम की भावना दिखती जैसे उनकी रचना 'आत्मपरिचय' में उनके अंदर की प्रेम भावना झलकती है।

उन्होंने अपनी रचनाओं में सरल, सहज साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग प्रयोग किया है। उन्होंने तत्सम तद्भव, तत्सम आदि शब्दों का भी प्रयोग किया है।

(iii) साहित्य में स्थान — हरिवंश राय बच्चन हालावाद कवि है। हिन्दी साहित्य में इन्होंने अपना अच्छा योगदान दिया है। इस इनकी रचनाएँ हमेशा रहेंगी सभी को।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न-19 धर्मवीर भारती

उत्तर प्र.19 (अथवा) का

(i) दो रचनाएँ – गुनाहों का देवता ; सूरज का सातवाँ घोड़ा (उपन्यास)

(ii) भाषा-शैली – धर्मवीर भारती की भाषा सरल, सहज एवं आम बोलचाल की भाषा है। इन्होंने उर्दू तत्सम, तद्भव आदि के शब्दों का प्रयोग है किया है।

इन्होंने अपने निबंधो में विवरणात्मक शैली का प्रयोग किया है साथ ही चित्रात्मक एवं वर्णन आदि शैलियों का प्रयोग किया है।

(iii) साहित्य में स्थान – ये एक निबंधकार, उपन्यासकार है। इनकी रचना सूरज का सातवा घोड़ा पर फिल्म बनाई गई है तथा इनका उपन्यास गुनाहों का देवता 5 प्रसिद्ध बिके बिकने वाली किताबों में से है।

B
S
E

MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECO

क्र.

प्रश्न-२० ध्वनि — — — — — — लिखिए —

उत्तर प्रश्न-२० का

सेवा में,
जिलाधीश महोदय
जिला - खण्डवा (म.प्र.)

दिनांक - 2 मार्च, 2023

विषय - ध्वनि विस्तारक यंत्रो पर प्रतिबंध लगाने हेतु पत्र

महोदय,
सविनय निवेदन है कि हमारी वार्षिक परीक्षाएँ प्रारंभ हो ~~गई~~ चुकी है परन्तु हर तरफ तेज़ आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाए जा रहे है। यह समय हम सभी विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इन यंत्रो के कारण हमारी पढ़ाई अच्छेसे नहीं हो पा रही है जिसके कारण हमारे परिणाम अच्छे नहीं आ पाएँगे।
अतः आपसे निवेदन है कि इसका जल्द-से-जल्द कोई हल निकाला जाए। मैं आशा करती हूँ कि आप इसका हल अवश्य निकालेंगे और इस पर प्रतिबंध लगाएँगे। मैं आपकी आभारी रहूँगी सदैव।

धन्यवाद
प्रार्थीगण
क ख ग

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA

प्रश्न क्र.

प्रश्न-21 (iii) विद्यार्थी और अनुशासन

उत्तर

अनुशान हम सभी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होता है। जिसने भी इसका पालन कर लिया उसका जीवन सफल है समझो। अनुशासन हर जगह महत्व रखता है चाहे वह खेल के मैदान हो, कोई कार्यालय हो या कोई भी संस्थान हो। वह कोई खिलाड़ी हो, कामकरने वाला है हो, शिक्षक हो या कोई विद्यार्थी हो।

जब खेल का आरंभ होता है या फिर उसके बारे में बताया जाता हो या उसके नियम बताए जाते हो गुरु सबसे पहले खिलाड़ियों को सिखाता है अनुशासन क्योंकि अगर खिलाड़ी को भले ही नियम पता हो वह बहुत अच्छा खेलता हो पर अगर अनुशासन का पालन उसका महत्व उसने नहीं सीखा तो वह असफल ही होता है।

उसी प्रकार विद्यार्थियों के जीवन में भी अनुशान बहुत महत्व रखता है। पाठशालाओं में जब विद्यार्थी आता है तो सबसे पहले उसे अनुशासन क्या होता है? इसका महत्व क्या है? इसका पालन करने से क्या होगा यह सब उसे सिखाया जाता है क्योंकि अनुशासन से ही एक विद्यार्थी सफल होता है।

BSE

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

उसे अपने हर कार्य में अनुशासन लाना पड़ता है तभी वह एक साकार, सफल विद्यार्थी बन पाएगा।

एक उदाहरण से इसे समझते हैं एक विद्यार्थी था रोहन वह हर काम में सबसे आगे पढ़ाई हो, खेल हो, किसी में दिमाग चलाना हो आदि हर कार्य में वह आगे ही रहता था परन्तु उसमें अनुशासन की कमी थी, जिस कारण तेज दिमाग होने के कारण भी वह परीक्षा में विफल हो जाता था। यह बात उसने कभी नहीं समझी कि आगे रहने के साथ-साथ अनुशासन जीवन में कितना महत्वपूर्ण होता है।

इसलिए उपर्युक्त निबंध से हम यह कह सकते हैं कि जीवन में सब होने पर भी अगर अनुशासन का अभाव है तो आदमी सफल नहीं, विफल है।

हम कह सकते हैं कि विद्यार्थियों में अनुशासन का पालन करते आना चाहिए अपने भविष्य के सफल होने के लिए।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न-22 सबसे _ _ _ _ _ _ _ _ को।

उत्तर

संदर्भ – प्रस्तुत काव्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 के पा0-2 में संकलित पतंग कविता से लिया गया है जिसके कवि आलोक धन्वा जी है।

प्रसंग – इन पंक्तियों में कवि ने मौसम के बदलाव के साथ बदल वातावरण में होने वाले बदलावों का एवं बाल सुलभ का वर्णन किया है

अर्थ – कवि कहता है कि भादों का महि महीना गया, सबसे तेज बौछारें गयीं। सवेरा होता है जो खरगोश की आँखो जैसा लाल होता है कि जिसकी किरणें चारों ओर फैली हुई है। कवि कहता है कि शरद का मौसम (महीना) अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए, जोर-जोर से घंटी बजाते हुए पुलों को पार करते हुए आरहा है। अपने चमकीले इशारों से बच्चों को बुला रहा है कि आओ और पतंग उड़ाओ।

विशेषता- • भाषा, सरल, सहज है।
• शरद के महीना का सुंदर वर्णन किया गया है।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न -23 पैसा - - - - - - - - - है।

उत्तर (अथवा)

<u>संदर्भ</u> - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 के पाठ-12 में संकलित बाजार दर्शन से लिया गया है, जिसके ~~कवि~~ लेखक जैनेन्द्र कुमार है।

<u>प्रसंग</u> - इस गद्यांश में लेखक ने पैसे के पावर व पर्चेजिंग पावर का बताया है।

<u>अर्थ</u> - लेखक कहता है कि पैसा तो पावर होता है। जिन लोगों के पास पैसा है यानी उनके पास पावर है ऐसे लोग अपनी पावर दिखाने के लिए अनावश्यक माल, मकान-कोठी ~~इक~~ बनाते रहते है। अपने बैंक-हिसाब दिखाते है। ऐसे लोग ही बाजारूपन बढ़ाते है और सार्थकता प्रदान नहीं करते है। इनका कहना है कि पर्चेजिंग पावर म के प्रयोग में ही पावर का रस है। अपनी पर्चेजिंग पावर दिखाने के लिए यह सब करते हैं।

<u>विशेषता</u> - लेखक ने बाजारूपन, पैसे की पावर, पर्चेजिंग पावर का बताया है। लेखक ने आम बोलचाल के शब्दों का प्रयोग किया है।